



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 519]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 17, 1996/भाद्रपद 26, 1918

No. 519]

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 17, 1996/BHADRA 26, 1918

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1996

आयकर

का. आ. 637 (अ).—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (15) के उपखंड (iv) की मद (ज) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारतीय रेलवे वित्त निगम लि., नई दिल्ली द्वारा जारी किए गए केवल उन्नीस करोड़ पचास लाख रुपये के कुल मूल्य के निम्नलिखित विशिष्ट संख्या के 10.5% (कर मुक्त) प्रतिभूत मोचनीय असम्परिवर्तनीय रेलवे (आईआर.एफ.सी.) (सातवीं शृंखला) बंधपत्रों को उक्त मद के प्रयोजनार्थ विनिर्दिष्ट करती है,—

- (i) केवल दो करोड़ रुपये के कुल मूल्य के एक-एक हजार रुपये के 7वीं “ क ” शृंखला की एक से 00020000;
- (ii) केवल दो करोड़ रुपये के कुल मूल्य के एक-एक हजार रुपये के 7वीं “ ख ” शृंखला की एक से 00020000;
- (iii) केवल दो करोड़ रुपये के कुल मूल्य के एक-एक हजार रुपये के 7वीं “ ग ” शृंखला की एक से 00020000;
- (iv) केवल 50 लाख रुपये के कुल मूल्य के एक-एक हजार रुपये के 7वीं “ घ ” शृंखला की एक से 00005000;
- (v) केवल दो करोड़ रुपये के कुल मूल्य के एक-एक हजार रुपये के 7वीं “ ङ ” शृंखला की एक से 00020000;
- (vi) केवल दो करोड़ रुपये के कुल मूल्य के एक-एक हजार रुपये के 7वीं “ च ” शृंखला की एक से 00020000;
- (vii) केवल तीन करोड़ रुपये के कुल मूल्य के एक-एक हजार रुपये के 7वीं “ छ ” शृंखला की एक से 00030000; और
- (viii) केवल छह करोड़ रुपये के कुल मूल्य के एक-एक हजार रुपये के 7वीं “ ज ” शृंखला की एक से 00060000;

किन्तु उक्त मद के अन्तर्गत लाभ केवल तब अनुमत्य होगा यदि ऐसे बंधपत्रों का धारक अपना नाम और धृति को उक्त निगम के पास पंजीकृत कर देता है ।

[अधिसूचना सं. 10192/फा. सं. 178/49/94-आयकर नि.-1]

एच के चौधरी, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 17th September, 1996

(INCOME TAX)

S.O. 637(E).—In exercise of the powers conferred by item (h) of sub-clause (iv) of Clause (15) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby specifies 10.5% (Tax-Free) Secured Redeemable Non-Convertible Railway (IRFC) (7th Series) Bonds bearing distinctive numbers,—

- (i) 1 to 00020000 of 7th "A" series of rupees one thousand each of an aggregate value of rupees two crores only,
- (ii) 1 to 00020000 of 7th "B" series of rupees one thousand each of an aggregate value of rupees two crores only,
- (iii) 1 to 00020000 of 7th "C" series of rupees one thousand each of an aggregate value of rupees two crores only,
- (iv) 1 to 00005000 of 7th "D" series of rupees one thousand each of an aggregate value of rupees fifty lakhs only,
- (v) 1 to 00020000 of 7th "E" series of rupees one thousand each of an aggregate value of rupees two crores only,
- (vi) 1 to 00020000 of 7th "F" series of rupees one thousand each of an aggregate value of rupees two crores only,
- (vii) 1 to 00030000 of 7th "G" series of rupees one thousand each of an aggregate value of rupees three crores only, and
- (viii) 1 to 00060000 of 7th "H" series of rupees one thousand each of an aggregate value of rupees six crores only,

of the total aggregate value of rupees nineteen crores and fifty lakhs only, issued by Indian Railway Finance Corporation Limited, New Delhi for the purpose of the said item,

Provided that the benefit under the said item shall be admissible only if the holder of such bonds registers his name and the holding with the said Corporation

[Notification No 10192/F No 178/49/94-ITA-I]

H K CHOUDHARY, Under Secy